www.CentumSure.com

Series OSR/C

कोड नं. **2/3**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

तोड़ दो मन ! अहम् तोड़ दो ।
मत शिखर पर अकेले रहो,
मुक्त मैदान में भी बहो,
अंध क्षण में भी ली हो अगर —
दंभ की हर क़सम तोड़ दो !
ज़िन्दगी बँध गई झील-सी,
एक बीमार क़न्दील-सी,
आदमी के हितों के लिए —
निर्दयी सब नियम तोड़ दो !

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

श्रेष्ठतम सृष्टि की सर्जन।,
व्यर्थ उस प्यार की वर्जना,
स्वस्थ संशोधनों के लिए —
रूढ़ियों की रसम तोड़ दो !
स्वप्न वह जो कि पैदल चले,
धूल जलती हुई मुख मले,
सिर्फ़ रेशम नहीं ज़िन्दगी —
इन्द्रधनुषी वहम तोड़ दो !

(क) कवि 'अहम्' को तोड़ने के लिए क्यों कह रहा है ?

(ख) कवि की दृष्टि में नियमों की निर्दयता का क्या कारण है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :

'स्वस्थ संशोधनों के लिए –
रूढ़ियों की रसम तोड़ दो'

(घ) कवि ने कैसे स्वप्नों और धूल को श्रेष्ठ माना है और क्यों ?

(ङ) कविता में 'इन्द्रधनुषी' वहम किन्हें कहा गया है और क्यों ?

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

स्वर्ण विनष्ट हो जाता है और जन्म देता है स्वर्ण-भस्म को, जिसका महत्त्व स्वर्ण से अधिक होता है । यही बात निराला जी के विषय में भी कही जा सकती है जो स्वयं मिटकर भी हिन्दी साहित्य को शिखर तक ले जाने के लिए प्रयत्नशील रहे । जीवनकाल में उन्हें समुचित यश न प्राप्त हो सका, यद्यपि वह उसके लिए कभी लालायित नहीं रहे । पग-पग पर उन्हें संघर्षों का सामना करना पड़ा, किन्तु अनवरत संघर्ष भी उनकी काव्य-गति को अवरुद्ध न कर सका । काव्य-मंदाकिनी अंत समय तक अग्रसर होती रही, मंद भले ही हो गई हो, रुकी नहीं ।

साहित्यिक क्षेत्र के अतिरिक्त जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उन्हें कम संघर्षों से नहीं जूझना पड़ा । प्रकाशक की तथाकथित उदारता, मित्रों के व्यवहार एवं उनकी मुक्तहस्तता ने कभी भी उनके पास द्रव्य को स्थान न पाने दिया । अर्थाभाव के कारण वे पत्नी और संतान के प्रति भी अपना कर्त्तव्य पूरा न कर सके । संतान के सुख के लिए उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को दुखमय बना डाला । दूसरा विवाह-बन्धन स्वीकार नहीं किया । बिरले ही पिता अपनी संतान के लिए ऐसा त्याग कर पाते हैं । निराला जी जहाँ साहित्य में पुरानी रूढ़ियों और बंधनों को न मानकर, नव गति, नव लय, ताल, छन्द पर ज़ोर देते रहे, वहीं समाज के भ्रामक ढकोसले

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

उनके क्रान्तिकारी मन को न भाए, उन्हान उनका भी अस्वीकार कर दिया । निराला महान् थे । इस प्रकार के व्यक्ति किसी स्थान, जाति अथवा सम्प्रदाय-विशेष के नहीं हुआ करते, वह विश्व की विभूति हुआ करते हैं ।

(क) 'निराला' कौन थे ? उनकी तुलना स्वर्ण-भस्म से क्यों की गई है ? *2*

(ख) काव्य-मंदाकिनी से क्या तात्पर्य है ? वह मंद क्यों पड़ गई ? *2*

(ग) 'निराला' के जीवन में धनाभाव के क्या कारण थे ? इससे उनके पारिवारिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? *2*

(घ) संतान के हित के लिए उनका 'विरला' त्याग क्या था ? *1*

(ङ) साहित्यिक क्षेत्र में निराला किन बातों पर बल देते रहे ? *2*

(च) कैसे कहा जा सकता है कि निराला महान् थे ? *2*

(छ) लेखक ने उन्हें विश्व की विभूति क्यों कहा हैं ? *1*

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(झ) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : *1*

समुचित, महत्त्व

(ञ) 'संतान के सुख के लिए उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को दुखमय बना डाला ।' – मिश्र वाक्य में बदलिए । *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *5*

(क) प्रदूषण से अभिशप्त पवित्र नदियाँ

(ख) सामाजिक उत्सवों पर फ़िजूलख़र्ची

(ग) बिखरते घर-परिवार

(घ) श्रमहीनता पाप है

4. स्वयं को उत्तराखण्ड की प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त किसी ग्राम का वासी मानकर वहाँ के विकास-मंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र में आवास-व्यवस्था को प्राथमिकता देने का अनुरोध कीजिए जिससे ग्रामवासियों के लिए आगामी बरसात से पूर्व पक्के मकान उपलब्ध हो सकें । *5*

अथवा

रेलवे सुरक्षा-बल के महानिदेशक को पत्र लिखकर चलती गाड़ियों में सुरक्षा-व्यवस्था को और अधिक मज़बूत बनाने का अनुरोध कीजिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

5. (क) निम्नलिखित के संक्षेप मे उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(i) मुद्रित माध्यमों की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ii) रेडियो-समाचार की संरचना-शैली क्या है ?

(iii) 'ड्राई एंकर' किसे कहते हैं ?

(iv) इंटरनेट-पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(v) फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहा जाता है ?

(ख) 'समाज में अन्धविश्वासों का फैलता जाल' **अथवा** 'युवकों में नशाख़ोरी की बढ़ती प्रवृत्ति' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

6. 'पतनशील राजनीति' **अथवा** 'महँगी होती स्वास्थ्य सेवाएँ' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

आख़िरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी ।
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोक दिया
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा —

"क्या तुमने भाषा को

सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) बात की चूड़ी मर जाने का क्या अर्थ है ? चूड़ी मर जाने का क्या परिणाम हुआ ?

(ख) बात के कसाव और ताक़त से कवि को क्या अभिप्रेत है ? बात की ये दोनों विशेषताएँ कैसे प्रभावहीन हो गईं ?

(ग) कवि ने बात को शरारती बच्चा क्यों कहा है ? वह बच्चा कवि के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है और क्यों ?

(घ) 'भाषा को सहूलियत से बरतने' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

ज़िन्दगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है ।
गरबीली ग़रीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है, अपलक है —
संवेदन तुम्हारा है ! !

(क) 'सहर्ष स्वीकारा है' के रूप में कवि ने किन भावों को ख़ुशी-ख़ुशी अंगीकार किया है और क्यों ?

(ख) 'तुम्हें' के रूप में कवि का संबोध्य कौन है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

(ग) टिप्पणी कीजिए :

(i) गरबीली ग़रीबी

(ii) भीतर की सरिता

(घ) 'संवेदन तुम्हारा है' — 'संवेदन' से कवि का क्या अभिप्राय है ? इस संवेदन के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी ।
तुलसी बुझाई एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी ।।

(क) 'राम घनस्याम' का अलंकार-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश के आधार पर तुलसीयुगीन सामाजिक यथार्थ पर विचार कीजिए ।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है घटा गगन की हलकी-हलकी
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी ।

(क) काव्यांश के छन्द पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) कविता के भाषिक वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'रस की पुतली' के भावगत सौन्दर्य को उद्घाटित कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) कैसे यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह के जीवन्त परिवेश का एक सफल चित्र है ।

(ख) 'बादल राग' कविता में किसान-मज़दूर की आकांक्षाएँ बादल को नव-निर्माण के राग के रूप में पुकार रही हैं — उदाहरणों के आधार पर प्रस्तुत कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ग) 'आत्म-परिचय' कविता दुनिया के साथ कवि के प्रीतिकलहपरक सम्बन्धों का परिचय कराने वाली कविता है — सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

पैसा पावर है । पर उसके सबूत में आस-पास माल-टाल न जमा हो तो क्या वह ख़ाक पावर है । पैसे को देखने के लिए बैंक-हिसाब देखिए, पर माल-असबाब, मकान-कोठी तो अनदेखे भी दीखते हैं । पैसे की उस 'पर्चेज़िंग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रस है ।

लेकिन नहीं । लोग संयमी भी होते हैं । वे फ़िजूल सामान को फ़िजूल समझते हैं । वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुद्धिमान् होते हैं । बुद्धि और संयमपूर्वक वे पैसे को जोड़ते जाते है, जोड़ते जाते हैं । वह पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग की परीक्षा उन्हें दरकार नहीं है । बस ख़ुद पैसे के जुड़ा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है ।

(क) पैसा 'पावर' कैसे है ? क्या आप लेखक के इस विचार से सहमत हैं ? तर्कसहित अपने मत की स्थापना कीजिए ।

(ख) ' 'पर्चेज़िंग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रस है' – आशय समझाइए ।

(ग) लेखक ने कैसे लोगों को संयमी और बुद्धिमान् कहा है ? क्यों ?

(घ) लोग किस स्थिति में मानसिक गर्व की अनुभूति करते हैं ?

अथवा

शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब कुछ कोमल है । यह भूल है । इसके फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते । जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं । वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं । मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख़ नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्के मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं ।

(क) शिरीष के वृक्ष की उल्लेखनीय विशेषता क्या है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) शिरीष का फल किस प्रकार के व्यक्ति का संकेतक है ? उसके स्वभाव के विषय में तर्कसहित अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

(ग) शिरीष का फल लेखक को किसकी याद दिलाता है और क्यों ?

(घ) 'ज़माने का रुख़' और 'जमे रहते हैं' वाक्यांशों का आशय स्पष्ट कीजिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नो के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) महादेवी के घर में काम शुरू करने से पूर्व भक्तिन के अतीत की घटनाओं के आधार पर उसके व्यक्तित्व की विशेषताओं का सोदाहरण चित्रण कीजिए ।

(ख) 'बाज़ार-दर्शन' पाठ के उदाहरणों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कैसे व्यक्ति बाज़ार को सार्थकता देते हैं और कैसे व्यक्ति उसको शैतानी शक्ति देते हैं ?

(ग) 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि ढोलक की आवाज़ गाँव के मरणासन्न लोगों के लिए किस रूप में प्रभावशाली सिद्ध होती थी ?

(घ) 'चार्ली चैप्लिन' की कला में क्या जादुई शक्ति थी ? उदाहरणों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के अनुसार जाति-प्रथा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । क्या जाति-प्रथा आधुनिक युग में भी बेरोज़गारी और भुखमरी का कारण है ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'जूझ' कहानी के कथानायक के मन में कविताओं के प्रति रुचि किसने जगाई और कैसे ?

(ख) मुअनजो-दड़ो में सबसे ऊँचे चबूतरे पर बने बौद्ध स्तूप के महत्त्व को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

(ग) ऐन के अपने पड़ोसी मिस्टर डसेल के बारे में क्या विचार थे ? लिखिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) यशोधर बाबू के व्यक्तित्व को दिशा देने में किशनदा के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

(ख) यशोधर बाबू को अपने बेटों की ख़रीदी हुई हर नई चीज़ बेज़रूरत लगती है किन्तु वे अन्दर से प्रसन्न भी होते हैं – ऐसा क्यों ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कैसे कहा जा सकता है कि मुअन-जो-दड़ो की सभ्यता में आडम्बर नहीं था ? उदाहरण भी दीजिए ।

14. 'डायरी के पन्ने' के पाठ-परिचय में कहा गया है, "कई बार ख़ास इलाक़ों के मनुष्यों, जाति और संस्कृति का नामोनिशान मिटा देता है युद्ध ।" – इस कथन के आलोक में उन जीवन-मूल्यों और परिस्थितियों की चर्चा कीजिए जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध की फासीवादी ताक़तों ने तहस-नहस कर दिया था । *5*

अथवा

'जूझ' कहानी के कथानायक को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा था । आज 'शिक्षा का अधिकार' कानून बन जाने से ऐसी स्थितियों से कैसे निपटा जा सकता है ? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

www.CentumSure.com